

हाली डे एक्सप्रेस का स्टापेज दिए जाने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। प्रस्तावित अवघ्न एक्सप्रेस के ओखा तक विस्तार में विक्रम-गढ़, आलोट, महिदपुर रोड, नागदा जंक्शन और खाचरोद स्टापेज सम्मिलित किए जावें।

वर्तमान में इन्दौर दिल्ली के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली रेल गाड़ी को प्रतिदिन चलाया जावे तथा रेल मंत्रालय जनता की सुविधा हेतु समय चक्र में आवश्यक परिवर्तन करे।

(vi) NEED FOR INCREASE IN QUOTA OF FOOD GRAINS TO UTTAR PRADESH

श्री हरीश रावत (अल्मोड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, विगत दो वर्षों से केन्द्रीय पूल से उत्तर प्रदेश को आवश्यकता से कम मात्रा में गेहूं व चावल दिए जाने के कारण उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों, विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में अन्नाभाव की स्थिति पैदा हो गई है। इन पर्वतीय जिलों में इनकी आवश्यकता का केवल 10 प्रतिशत अन्न पैदा होता है। शेष अन्न के लिए लोग सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से विक्रय किए जाने वाले गेहूं व चावल पर निर्भर रहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इन क्षेत्रों के जनपदों को नाममात्र को गेहूं व चावल आवंटित किया जा रहा है। एक यूनिट को एक माह में 5 सौ ग्राम से एक किलोग्राम तक चावल व दो किलो गेहूं प्राप्त हो पा रहा है।

यहां के लोग भयंकर कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। इन क्षेत्रों को अभाव व कमी के क्षेत्र मानकर केन्द्रीय सरकार को राज्य के लिए कुल अनाज के आवंटन के अन्तर्गत अभीष्ट आवश्यक मात्रा निर्धारित कर देना चाहिए। इन क्षेत्रों को योजना आयोग द्वारा भी वित्तीय सहायता आवंटन में विशेष दर्जा दिया गया है।

अतः केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय को इन क्षेत्रों

हेतु खाद्यान्न का विशेष आवंटन करना चाहिए तथा राज्य को आवंटित खाद्यान्न की मात्रा को बढ़ा कर कम से कम दुगुना करना चाहिए।

(vii) DEVELOPMENT OF CHITTORGARH FORTS A TOURIST SPOT

प्रो० निर्मलला कुमारी शक्तावत (चित्तोर-गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, नियम 377 के तहत पर्यटन विकास को प्रोत्साहन देने की तरफ सरकार का ध्यान में आकर्षित करना चाहूंगी। पर्यटक राष्ट्रीय एकता तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव का एक सशक्त माध्यम है। भारत अपने प्राचीन मंदिरों, ऐतिहासिक स्थलों व विविधतापूर्ण लोक संस्कृति के लिए सदा विदेशियों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है।

देश के कई ऐतिहासिक स्थल खस्ता हालत में हैं। उसमें चित्तौड़गढ़ का जग प्रसिद्ध दुर्ग भी है। यहां पर्यटन विकास के लिए किए गए प्रयत्न अपर्याप्त हैं। मैं सरकार से मांग करूंगी कि चित्तौड़गढ़ के दुर्ग को पर्यटन स्थल बनाने के लिए निम्न सुविधा प्रदान की जाए। वायुदूत सर्विस शुरू की जाए। चित्तौड़गढ़ के पास सोनियाना में एक हवाई पट्टी बनी है उसको एयरपोर्ट में बदलकर नियमित वायु सेवा से जोड़ा जाए, चाहे सप्ताह में 2 या 3 दिन ही हो।

2. चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर जाने के लिए सुन्दर पहाड़ी स्थल को गार्डन में बदल कर चेंबर लिफ्ट से जोड़ा जाए।

3. चित्तौड़गढ़ के शक्ति और भक्ति के इतिहास को साकार करने के लिए रात्री में साउन्ड और लाइट प्रोग्राम दिखाया जावे जहां पदमिनी का जौहर और पन्ना घाय का स्थाण तथा मीरा की भक्ति साकार हो उठे।

4. चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर यात्रियों के ठहरने

की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां तक कि पर्याप्त शौचालय का भी अभाव है। इसलिए यात्री रात्री विश्राम दुर्ग पर ही कर सकें, इसके लिए होटल या डाक बंगला दुर्ग पर ही बनाया जावे।

5. दूरदर्शन की सुविधा भी छठी योजना के अन्त तक दे दी जावे तभी इस क्षेत्र के वीरों तथा वीरंगनाओं के बोलते हुए इतिहास से देसी तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा।

13.45

GENERAL BUDGET 1984-85—DEMANDS FOR GRANTS—CONTD.

Ministry of External Affairs

MR. DEPUTY SPEAKER : The House will be now take up discussion and voting on Demand No. 32 relating to the Ministry of External Affairs for which 8 hours have been taken allotted.

Demand for Grant, 1984-85 in respect of the Ministry of External Affairs

No. of Demand	Name of Demand	Amount of Demand for on account voted by the House on 14th March, 1984		Amount of Demand for Grant submitted to the vote of the House	
		Revenue Rs.	Capital Rs.	Revenue Rs.	Capital Rs.
1	2	3	4		
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS					
32.	Ministry of External Affairs	33,98,39,000	10,38,17,000	169,91,92,000	51,90,83,000

Now, Shri Satyasadhan Chakraborty. Your party has been allotted two minutes less than 30.

Hon. Members present in the House whose cut motions to the Demands for Grants have been circulated may, if they desire to move their cut motions, send slips to the Table within 15 minutes indicating the serial numbers of the cut motions they would like to move. Those cut motions only will be treated as moved.

A list showing the serial numbers of cut motions moved will be put up on the Notice Board shortly. In case any Member finds any discrepancy in the list he may kindly bring it to the notice of the officer at the Table with delay.

Motion moved :

“That the respective sums not exceeding the amounts on Revenue Account and Capital Account shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President out of the Consolidated Fund to India to Complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending 31st day of March, 1985, in respect of the heads of Demands entered in the second column thereof against Demand, No. 32 relating to the Ministry of External Affairs.”